न्यायालय जिला कलक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट, झुंझुनू

पीठासीन अधिकारीः– लक्ष्मण सिंह कुडी
आई.ए.एस.

प्रकरण संख्या 273/2021

लक्ष्मी इण्डिया फिनलीजकेप प्रा0 लिमिटेड, मुख्य व्यावसायिक कार्यालय 2 डी, एफ एल टावर, गोपीनाथ मार्ग, एम आई रोड, जयपुर 302001

—— प्रार्थी बैंक

बनाम

1. प्रमोद कुमार पुत्र श्री महाबीर प्रसाद, पता– ग्राम छावसरी, वार्ड नं0 1, उदयपुरवाटी, जिला झुंझुनूं राजस्थान।
2. मोनिका देवी पत्नि प्रमोद कुमार, पता– ग्राम छावसरी, वार्ड नं0 1, उदयपुरवाटी, जिला झुंझुनूं राजस्थान।
3. महाबीर प्रसाद पुत्र श्री रामदेवा राम, पता– ग्राम छावसरी, वार्ड नं0 1, उदयपुरवाटी, जिला झुंझुनूं राजस्थान।
4. सरबती देवी पत्नि महाबीर प्रसाद, पता– ग्राम छावसरी, वार्ड नं0 1, उदयपुरवाटी, जिला झुंझुनूं राजस्थान।
5. संदीप कुमार पुत्र सांवत राम, पता– ग्राम छावसरी, वार्ड नं0 1, उदयपुरवाटी, जिला झुंझुनूं राजस्थान।

—— अप्रार्थीगण

प्रार्थना पत्र अन्तर्गत धारा 14 वित्तीय आस्तियों का प्रतिभूतिकरण और पुनर्गठन और प्रतिभूति हित प्रवर्तन अधिनियम 2002

उपस्थितः–

1. एडवोकट श्री मनोज कुमार वर्मा (एयू स्मॉल फाईनेन्स बैंक लि0) – प्रार्थी बैंक की ओर से
2. एडवोकेट श्री अशोक लाम्बा– अप्रार्थी सं0 1 की ओर से उपस्थित।
3. अप्रार्थीगण सं0 2 लगायत 5 बावजूद नोटिस तामिल अनुपस्थित।

आदेश

दिनांक 31.03.2022

प्रार्थी लक्ष्मी इण्डिया फिनलीज[illegible] द्वारा प्रस्तुत प्रार्थना पत्र के अनुसार संक्षिप्त तथ्य इस प्रकार है कि अप्रार्थी संख्या 1 [illegible] ने वित्तीय संस्था से दिनांक 31.07. 2019 को जरिये लोन खाता संख्या PL 782[illegible]ह लाख रूपये मात्र का ऋण लिया था। अप्रार्थी संख्या 1 व उसक[illegible]सहऋणियों न ऋ[illegible] उसके मय ब्याज के पुर्नभुगतान हेतु सिक्योरिटी के रूप मे अपनी अचल सम्पत्ति [illegible] प्रार्थी के पास रहन किया और उस स[illegible]र निर्मित भवन एवं ढांचा आदि को भी प्रार्थी के पक्ष मे गिरवीकृत कि[illegible] जिसका विवरण नीचे [illegible]है। बंधक सम्पति का विवरण– श्री प्रमोद कुमार पुत्र महाबीर प्रसाद मालिक सम्पत्ति आबादी प्लाट पट्टा नं0 19, ग्राम छावसरी, पंचायत समिति उदयपुरवाटी, जिला झुंझुनूं राजस्थान मे स्थित है। जिसमे भूमि, भवन एवं ढांचा आदि जो सभी सम्पति के अभिन्न अंग है। जिसका माप लगभग 287.22 वर्ग गज है।

Signature Not Verified
Digitally signed by Laxman Singh Kuri
Date: 2022.04.07 16:05:07 IST
Reason: SelfAttested

जिला कलक्टर झुन्झुनूं

चर्तुसीमा– उत्तर में – हरिराम की भूमि
दक्षिण में – महाबीर की भूमि
पूर्व में – फुलचन्द की भूमि
पश्चिम में – रास्ता

प्रार्थी कम्पनी अंतिम लेखा परीक्षित तुलन पत्र (last audited balance sheet) के अनुसार भारतीय रिजर्व बैक अधिनियम, 1934 की धारा 45–झ के खंड (च) में यथा निर्धारित एक सौ करोड रूपए से अधिक की आस्ति वाली गैर बैकिंग वित्तीय कम्पनी है जिसको केन्द्रीय सरकार (भारत सरकार) के वित्त मंत्रालय द्वारा दिनांक 24.02.2020 को जारी अधिसूचना का.आ. 856 (अ) के द्वारा पचास लाख रूपए और उससे अधिक तथा दिनांक 12.02.2021 को जारी अधिसूचना का.आ 652 (अ) के द्वारा बीस लाख रूपए और उससे अधिक के सभी प्रतिभूत ऋणों के संबंध में प्रतिभूति हित को लागू करने के लिए वित्तीय आस्तियों का प्रतिभूतिकरण और पुनर्गठन और प्रतिभूति हित प्रवर्तन अधिनियम 2002 के प्रयोजनों के लिए वितीय संस्था के रूप में विनिर्दिष्ट किया गया है। अधिसूचना पंजीकरण प्रमाण पत्र व बैलेंस शीट की प्रति संलग्न है। अप्रार्थीगण नियमित रूप से प्रार्थी का उक्त ऋण का भुगतान नही कर सके और भुगतान के व्यतीक्रम व अतिदेय होने पर दिनांक 20.04.2021 को अक्रियान्वित आस्ति में वर्गीकृत कर दिया है अप्रार्थीगण के खाते में बकाया राशि लोन खाता संख्या – PL7823 कुल राशि 25,22,772/– रूपये दिनांक 07.07.2021 तक शेष व दिनांक 07.07.2021 से आगे का ब्याज व खर्चे आदि सहित राशि का भूगतान करने के लिये अप्रार्थीगण जिम्मेदार है। प्रार्थी लक्ष्मी इण्डिया फिनलीजकेप प्रा0 लिमिटेड ने उक्त एक्ट की धारा 13(2) के अन्तर्गत दिनांक 13.07.2021 को रजि0 नोटिस भी अप्रार्थीगण को प्रेषित किया और जिसकी प्राप्ति के बाद भी पुनः देय राशि का भुगतान प्रार्थी लक्ष्मी इण्डिया फिनलीजकेप प्रा0 लिमिटेड को नही दिया। अप्रार्थीगण ने देय ऋण राशि का भुगतान बावजूद मांग के प्रार्थी लक्ष्मी इण्डिया फिनलीजकेप प्रा0 लिमिटेड को नही किया है। उक्त एक्ट के प्रावधानो के अनुसार प्रार्थी लक्ष्मी इण्डिया फिनलीजकेप प्रा0 लिमिटेड उक्त चरण संख्या 2 में वर्णित सिक्योरिटी रहनशुदा सम्पति का कब्जा प्राप्त करने व विक्रय कर उक्त शेष देय राशि को वसूल करने के अधिकारी है। अतः प्रार्थना है कि उपरोक्त वर्णित सम्पति जिसका विवरण प्रार्थना पत्र की संख्या 2 में दिया गया है का कब्जा अप्रार्थीगण से प्राप्त कर प्रार्थी बैंक को या उसके द्वारा नियुक्त व्यक्ति को दिलाने की कृपा करावे।

बहस सुनी गई। वकील प्रार्थी ने बहस के दौरान प्रार्थना पत्र में वर्णित तथ्यों की पुनरावर्ती करते हुये तर्क प्रस्तुत किया कि अप्रार्थी द्वारा प्रार्थी लक्ष्मी इण्डिया फिनलीजकेप प्रा0 लिमिटेड का ऋण नही चुकाया गया है। अप्रार्थी को प्रार्थी लक्ष्मी इण्डिया फिनलीजकेप प्रा0 लिमिटेड द्वारा नियमानुसार एन0पी0ए0 घोषित किया जा चुका है। प्रार्थना पत्र स्वीकार कर प्रार्थी को प्रतिभूति सम्पत्ति का कब्जा दिलवाये जाने का निवेदन किया। अतः प्रार्थी का प्रार्थना स्वीकार कर उपरोक्त गिरवीकृत अचल सम्पत्ति का भौतिक कब्जा प्रार्थी लक्ष्मी इण्डिया फिनलीजकेप प्रा0 लिमिटेड को दिलवाया जावे जिससे अधिनियम के प्रावधानुसार सम्पत्ति को बेचकर बकाया ऋण की वसूली की जा सके।

Signature Not Verified
Digitally signed by Laxman Singh Kuri
Date: 2022.04.07 16:05:07 IST
Reason: SelfAttested

अप्रार्थीगण सं0 2 लगायत 5 बावजूद नोटिस तामील अनुपस्थित। अतः अप्रर्थीगण सं0 1 लगायत 5 के विरूद्व एकपक्षीय कार्यवाही अमल मे लाई गई।

वकील अप्रार्थी ने वकील प्रार्थी के कथनो का विरोध करते हुए कथन किया कि अप्रार्थी द्वारा ऋण की कुछ किश्ते जमा कराई गई है। प्रार्थी को समय दिया जावे ताकि वह बकाया ऋण की राशि जमा करवा सके। अतः प्रार्थी का प्रार्थना खारिज किया जावे।

जिला कलक्टर झुन्झुनूं

हमने प्रार्थी प्रार्थी लक्ष्मी इण्डिया फिनलीजकेप प्रा0 लिमिटेड द्वारा प्रस्तुत प्रार्थना पत्र व इस प्रार्थना पत्र के साथ दस्तावेजात का अवलोकन किया। पत्रावली के अवलोकन से यह जाहिर है कि अप्रार्थी अपने ऋण का भुगतान करने में असफल रहें है व प्रार्थी लक्ष्मी इण्डिया फिनलीजकेप प्रा0 लिमिटेड द्वारा अप्रार्थी/गारन्टर को अधिनियम की धारा 13 (2) के अन्तर्गत रजिस्टर्ड नोटिस जारी किये जाने के पश्चात् भी अप्रार्थीगण द्वारा प्रार्थी लक्ष्मी इण्डिया फिनलीजकेप प्रा0 लिमिटेड की ऋण राशि का भुगतान नही किया गया है।

पत्रावली में शामिल दस्तावेजात के अवलोकन से जाहिर है कि अप्रार्थी अपने ऋण का भुगतान करने में असफल रहें है व प्रार्थी लक्ष्मी इण्डिया फिनलीजकेप प्रा0 लिमिटेड द्वारा अप्रार्थी/गारन्टर को अधिनियम की धारा 13 (2) के अन्तर्गत रजिस्टर्ड नोटिस जारी किये जाने के पश्चात् भी अप्रार्थीगण द्वारा प्रार्थी लक्ष्मी इण्डिया फिनलीजकेप प्रा0 लिमिटेड की ऋण राशि का भुगतान नही किया गया है। पत्रावली में शामिल दस्तावेजात के अवलोकन से जाहिर है कि अप्रार्थीगण, प्रार्थी लक्ष्मी इण्डिया फिनलीजकेप प्रा0 लिमिटेड के साथ हुये अनुबन्ध के अनुसार ऋण राशि को चुकाने में विफल रहें है। अतः अप्रार्थीगण/ऋणी, गारन्टर को व्यक्तिक्रमी मानते हुये प्रार्थी लक्ष्मी इण्डिया फिनलीजकेप प्रा0 लिमिटेड द्वारा प्रश्नगत प्रार्थना पत्र स्वीकार किया जाता है तथा सिक्योरिटाईजेशन एण्ड रिक्न्स्ट्रकशन ऑफ फाइनेन्शियल एसेटस एण्ड एनर्फोसमेंट ऑफ सिक्योरिटी इन्टरेस्ट एक्ट 2002 की धारा 14 के तहत प्रद्त शक्तियों का प्रयोग करते हुये बंधक रखी गई सम्पति अप्रार्थी सं0 1 प्रमोद कुमार पुत्र श्री महाबीर प्रसाद मालिक सम्पति आबादी प्लाट पट्टा नं0 19, ग्राम छावसरी, पंचायत समिति उदयपुरवाटी, जिला झुंझुनूं राजस्थान मे स्थित है जिसमे भूमि, भवन एवं ढांचा आदि जो सभी सम्पति के अभिन्न अंग है जिसका माप लगभग 287.22 वर्ग गज है का पजेशन प्रार्थी लक्ष्मी इण्डिया फिनलीजकेप प्रा0 लिमिटेड को जरिये संबंधित पुलिस थाना की इमदाद से प्राप्त किये जाने के आदेश दिये जाते है। आदेश की प्रति जिला पुलिस अधीक्षक, झुंझुनू को इस अनुरोध के साथ प्रेषित की जाती है कि प्रार्थी लक्ष्मी इण्डिया फिनलीजकेप प्रा0 लिमिटेड के खर्चे पर उनकी आवश्यकतानुसार चाहे जाने पर पुलिस सहायता उपलब्ध करावें।

आदेश आज दिनांक 31.03.2022 को लिखवाया जाकर खुले न्यायालय में सुनाया गया।

(एल0एस0कुडी)
जिला कलक्टर एवं
जिला मजिस्ट्रेट, झुंझुनूं

जिला कलक्टर झुन्झुनूं

Signature Not Verified

Digitally signed by Laxman Singh Kuri
Date: 2022.04.07 16:05:07 IST
Reason: SelfAttested